

Highway from Rourkela to Bhubaneshwar and Puri to Prayag

775. Shri V. B. Deo: Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state:

(a) whether there is a proposal to have a Highway from Rourkela to Bhubaneshwar and Puri to Prayag via Pipri; and

(b) if not, whether its economics would be examined?

The Minister of Shipping in the Ministry of Transport and Communications (Shri Raj Bahadur): (a) and (b). The places referred to in part (a) of the question are already connected by existing roads as indicated below:

- (i) Rourkela-Sundergarh-Sambalpur-Bhubaneshwar.
- (ii) Puri-Sambalpur-Ambikapur-Basantpur-Pipri-Robertsganj-Prayag (Allahabad).

Both these roads are partly State roads and partly National Highways.

Passengers of Howrah-Burdwan Electric Train

776. { Dr. Ranen Sen:
Shri Dinen Bhattacharya:
Dr. Saradish Roy:
Shri S. M. Banerjee:
Shri Sarkar Murmu:

Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether it is a fact that lately the daily passengers of Howrah-Burdwan Electric Train service are experiencing difficulty; and

(b) if so, what steps Government contemplate to remove those difficulties of the passengers?

The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) and (b). No serious inconvenience has been caused to passengers from Burdwan lately. Presumably the reference is to the cancellation of HBB 147UP and HBB 138Dn, locals between Bandel and Burdwan. The

runs of these trains were curtailed due to poor patronage of the trains on Bandel-Burdwan section. There are other convenient services which can be availed of by the few passengers who were previously travelling by these trains.

ललितपुर-बांदा-बिजावर-करतल रेलवे

७७७. श्री माने : क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अंग्रेजी राज में "ललितपुर-बांदा-बिजावर-करतल रेलवे, निकालने की कोई योजना बनाई थी ;

(ख) क्या राज्य पुनर्गठन समिति ने मध्य प्रदेश में कोई नई रेलवे लाइन निकालने की सिफारिश की थी ;

(ग) यदि हाँ, तो उस विषय में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ; और

(घ) उसके अन्तर्गत मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ और छतरपुर जिले का कितना क्षेत्र आता है ?

रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री (श्री से० बे० रामस्वामी) : (क) जहाँ नहीं। १९२८ में १४२ मील लम्बी बड़ी लाइन का केवल प्रारम्भिक इर्ज नियंत्रण सर्वेक्षण किया गया था। इसमें पता चला कि यह प्रायोजना लाभप्रद न होगी, इसलिये इसे छोड़ दिया गया।

(ख) जहाँ नहीं।

(ग) और (घ). राज्य पुनर्गठन समिति के मुझावों का ध्यान में रखते हुए मध्य प्रदेश सरकार ने यह सिफारिश की थी कि विवरण में बताया गया चार लाइनों का निर्माण दूसरी पंचवर्षीय आयोजना में अग्रता के आधार पर किया जाय। इन चार लाइनों में से पहली और दूसरी लाइनें दूसरी पंचवर्षीय आयोजना में बन चुकी हैं। तिसरी लाइन का लगभग ६ मील लम्बा हिस्सा इस समय बनाया जा रहा है। चौथी लाइन का १८४